शैक्षिक सत्र–2026–27
विषय– संगीत (वादन)
(कक्षा–10)

पूर्णांक–70

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र 3 घंटे 15 मिनट का होगा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

संगीत वादन पाठ्यक्रम दो भागों में क्रमशः प्रथम भाग अवनद्ध वाद्य (तबला एवं पखावज) तथा द्वितीय भाग सितार एवं अन्य तंत्र वाद्य में विभाजित है। परीक्षार्थियों को दोनों में से किसी एक भाग का चयन कर अध्ययन कर सकते है। प्रत्येक भाग के लिए 70 अंक निर्धारित है तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट/आन्तरिक मूल्यांकन कार्य होगा।

प्रथम भाग
तबला एवं पखावज एवं अन्य अवनद्धवाद्य

इकाई–1 चयनित वाद्य का विस्तृत अध्ययन– **08 अंक**

- वाद्य विशेष का सचित्र अंग वर्णन।
- तबला मिलाने की विधि का ज्ञान।
- चयनित वाद्य की उत्पत्ति एवं उसके विकास का संक्षिप्त अध्ययन।
- **प्रोजेक्ट कार्य**

इकाई–2 सांगीतिक शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा– **15 अंक**

- ताल, ताली (भरी), खाली, सम, मात्रा और लय।
- पलटे, तिहाई, पेशकारा, टुकडा, और कायदा जैसे तकनीकी शब्दों की समझ।
- प्रोजेक्ट कार्य

इकाई–3 ताल के दस प्राण व उनका विस्तृत अध्ययन। **08 अंक**

इकाई–4 तबले के वर्ण तथा उनकी निकास विधि। **08 अंक**

इकाई–5 शास्त्रीय एवं प्रयोगात्मक शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन– **08 अंक**

- उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीय तालिपि पद्धतियों का परिचय व तुलना।
- तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
- पारिभाषिक शब्दों की तुलनात्मक व्याख्या।

इकाई–6 तालों का अध्ययन लिखित एवं प्रयोगात्मक – **15 अंक**

- चारताल में 2 टुकड़ा एवं एक परन लिखने व बजाने की योग्यता।
- तीनताल, झपताल में प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और 2 तिहाई लिखने व बजाने की योग्यता।
- कहरवा, तीव्रा तथा दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका व दुगुन व चौगुन।
- छोटे–छोटे बोल समूहों के माध्यम से ताल पहचानने की योग्यता।
- प्रोजेक्ट कार्य

इकाई–7 जीवनी एवं निबन्ध **08 अंक**

- पं0 विष्णुनारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
- तानसेन का जीवन परिचय।
- संगीत विषयाधारित सामान्य निबन्ध।
- अपने चयनित वाद्य की विशेषता।

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए जाएगे। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट दे सकते है।

1. अपने वाद्य यंत्र के वर्ण की निकास विधि लिखिए।
2. रेडियों एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाकर उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।
3. उत्तर भारतीय संगीत के ''भारत रत्न'' पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।
4. अपने वाद्य का सचित्र चार्ट बनाकर अंगों का वर्णन कीजिए।
5. तबला की मुख्य परम्परा/घराना को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।
6. किसी संगीत समारोह का आंखों देखा वर्णन कीजिए।
7. किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तार से समझाइए।
8. संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
9. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय लिखिए।
10. वाद्य के समस्त प्रकारों (तत् सुषिर, घन, अवनद्ध) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम लिखिए।

द्वितीय भाग
(सितार एवं अन्य तंत्र वाद्य)
(सरोद, सारंगी, इसराज, दिलरुबा, बाँसुरी, गिटार आदि)

इकाई–01 चयनित वाद्य का विस्तृत अध्ययन **07 अंक**

1. वाद्य विशेष का सचित्र अंग वर्णन।
2. वाद्य के बोल एवं बोलों की निकास विधि का ज्ञान।
3. चुने गए वाद्य के तारों एवं उनकी धातुओं का ज्ञान।
4. चयनित वाद्य की उत्पत्ति एवं उसके विकास का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई–02 सांगीतिक शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा **10 अंक**

अलंकार, कण, मींड़, मुर्की, घसीट, चिकारी, जमजमा, जोड़–आलाप, वक्र स्वर, तोड़ा, आरोह, अवरोह, पकड़, वादी स्वर, संवादी स्वर।

इकाई–03 शास्त्रीय शब्दों की व्याख्या एवं विस्तृत अध्ययन **10 अंक**

नाद एवं नाद की विशेषताएँ, स्वर एवं स्वर प्रकार, सप्तक तथा सप्तक के प्रकार, गत एवं गत के प्रकार, राग, थाट, भातखण्डे स्वर लिपि पद्धति।

इकाई–04 रागों का लिखित एवं प्रयोगात्मक अध्ययन **15 अंक**

1– (क) विस्तृत रागें–राग बिहाग एवं राग भैरवी में मसीतख़ानी एवं रज़ाखानी गत तोड़ों सहित।
(ख) अर्द्धविस्तृत राग– राग देश, राग बागेश्री, राग काफी में रजाखानी गत (आरोह, अवरोह, पकड़ सहित)।

2– (क) गतों को लिपिबद्ध करने की योग्यता (मसीतखानी गत, रज़ाख़ानी गत)।
(ख) छोटे स्वर समूहों के आधार पर राग पहचान।
(ग) अलंकार बनाने एवं पूर्ण करने की योग्यता।

इकाई–05 सांगीतिक शास्त्रीय एवं प्रयोगात्मक शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन **08 अंक**

राग–थाट, वाद्य वर्गीकरण (तत्, घन, सुषिर, अवनद्ध), मींड़–सूत, आलाप–तोड़ा, स्वर–सप्तक।

इकाई–06 तालों का अध्ययन (लिखित एवं प्रयोगात्मक) **10 अंक**

(क) ताल कहरवा, ताल तीनताल का पूर्ण परिचय एवं ठेका, दुगुन एवं चौगुन सहित।
(ख) ताल झपताल एवं एकताल का पूर्ण परिचय ठेका एवं दुगुन सहित।

इकाई–07 जीवनी, निबन्ध एवं इतिहास **10 अंक**

(क) तानसेन, पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर का जीवन परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।
(ख) संगीत विषयाधारित सामान्य निबन्ध।
(ग) संगीत का मध्यकालीन संक्षिप्त इतिहास।

प्रोजेक्ट कार्य

निर्देश– शिक्षक सैद्धान्तिक शिक्षण कार्य के साथ–साथ प्रोजेक्ट कार्य कराते रहेंगे।

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रोजेक्ट छात्रों द्वारा कराए जाएंगे (अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट दे सकते हैं)

1. संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
2. रेडियो एवं टी० वी० द्वारा प्रसारित होने वाले संगीत कार्यक्रमों की सूची बनाकर देखे गए कलाकार के बारे में क्रमशः लिखिए।
3. भातखण्डे संगीत लिपि पद्धति को चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित कीजिए।
4. तत्, सुषिर, घन, अवनद्ध वाद्य के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में नामांकित कीजिए।
5. कुछ प्रचलित वाद्य के वादकों के चित्र एकत्रित कर उनका संक्षिप्त परिचय लिखिए।
6. "भारतरत्न" पं० रविशंकर का जीवन परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान को लिखिए।
7. अपने वाद्य का सचित्र अंग वर्णन चार्ट के माध्यम से कीजिए।
8. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 10 थाटों के नाम लिखकर उनके स्वर लिखिए।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन– **30 अंक**

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य) अगस्त माह 10 अंक

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य) दिसम्बर माह 10 अंक

3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित) 10 अंक

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक
(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोटः–चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।